वी.यू. के वन्यप्राणी चिकित्सकों द्वारा किया गया नागपंचमी त्यौहार पर सांपों का इलाज

जबलपुर संभाग के विभिन्न क्षेत्रों में सपेरों द्वारा पकड़े गये सापों को वन विभाग की रेस्क्यू टीम, एवं वालेण्टियर स्नेक रेस्क्यूअर के सहयोग से लगभग 52 सांपों को स्वास्थ्य परीक्षण के लिए स्कूल ऑफ वाईल्डलाईफ फॉरेंसिक एण्ड हैल्थ, जबलपुर लाया गया। नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. डॉ. एस.पी. तिवारी के दिशा निर्देशन में तथा केन्द्र की संचालिका डॉ. शोभा जावरे की उपस्थिति में केन्द्र के वन्यजीव चिकित्सकों डॉ. सोमेश सिंह, डॉ. देवेन्द्र पोधाड़े, डॉ. अमोल रोकड़े, डॉ. के.पी. सिंह, डॉ. निधि राजपूत और स्नातकर छात्रों माधवी, सुमित एवं दीक्षा के सहयोग से सभी जहरीले और विष विहीन सापों का सफलतापूर्वक स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। सपेरों द्वारा सापों की विष ग्रंथि निकालने, फैंग टीथ तोड़े जाने, मुँह सिलने एवं चिपकाने के कारण घावों का समुचित उपचार किया गया। घायल, कमजोर एवं बीमार सापों को इलाज के पश्चात आवश्यक औषधियां देकर उन्हें वन विभाग के सुपुर्द कर दिया गया, ताकि प्राकृतिक आवास में छोड़ा जा सके। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एस.पी. तिवारी ने कहा कि सर्प किसानों के मित्र कहे जाते है, साथ ही आमजन से सर्पों के प्रति दयाभाव रखने, उनके द्वारा दूध पीने जैसी भ्रांतियों से दूर रहने एवं स्नेक चार्मिंग को बढ़ावा न देने की अपील की ताकि उनके संरक्षण में मदद मिले।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर